



**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**  
भारत मौसम विज्ञान विभाग  
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय  
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड



## मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-12-2021

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-12-17 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-12-18	2021-12-19	2021-12-20	2021-12-21	2021-12-22
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	9.0	9.0	10.0	11.0	10.0
न्यूनतम तापमान(से.)	0.0	-1.0	-1.0	-2.0	-3.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	40	45	50	55
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	55	60	65	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	310	310	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	3	1	1	1

### मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमशः 9.0 से 11.0 व 0.0 से -3.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा। हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। आने वाले पांच दिनों में कहीं-कहीं पर शीत लहर चलने और पाला पड़ने की भी संभावना है। ईआरएफएस के अनुसार, 22 से 28 दिसम्बर के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से अधिक, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान है।

### सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है। पाला पड़ने की स्थिति में नए रोपित पौधों की सिंचाई करें। सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें। गाय-भैंस को शीतला रोग (रिंडर पेस्ट) का टीका लगवाए।

### लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा लेकिन कहीं-कहीं पर शीत लहर चलने और पाला पड़ने की भी संभावना है। पाला पड़ने की स्थिति में खेत में हल्की सिंचाई करें।

### फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	जिन किसान भाईयो ने नवम्बर के आखिरी सप्ताह में बुवाई पूर्ण कर ली हो वह आगामी मौसम को ध्यान में रखते हुए फसल में हल्की सिंचाई कर लें।
गन्ना	आगामी दिनों में शीत लहर व पाला पड़ने की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए किसान भाई गन्ने की फसल में हल्की गुड़ाई करें ताकि उसमें ताकि हवा और तापमान का उचित संचलन बना रहे।
मक्का	जिन किसान भाईयो ने मक्का की रबी फसल लगा रखी है और यदि उनमें नीचे से दो से तीन पत्तियाँ निकल गई हो तो आगामी मौसम को ध्यान में रखते हुए हल्की सिंचाई करें और यदि खेत में नमी बनी हुई है तब हल्की गुड़ाई करें।
सरसों	घाटियों व निचले पर्वतीय क्षेत्रों में समय पर बोई गई फसल में दाना भरते समय हल्की सिंचाई करें।

### बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू में अगेती झुलसा रोग देखा जा रहा है तथा आगामी मौसम भी इसके अनुकूल है। अतः किसान भाईयो को सलाह दी जाती है कि मैनकोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 की दर से तुरंत छिड़काव करें। घाटी क्षेत्रों में पूर्व में बोये गये आलू की फसल में पाले के बचाव हेतु समय-समय पर सिंचाई करते रहे।
सेब	ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में सेब, नाशपाती, आड़ू, प्लम, खुमानी आदि शीतोष्ण फल वृक्षों में कटाई-छटाई शुरू करें।
पालक	सिंचित घाटी क्षेत्रों में मेथी, पालक तथा हरे पत्ते एवं मसाले के लिए धनियां की फसल में सिंचाई कर समय-समय पर गुड़ाई करे।
आम	पपीता एवं आम के नये रोपित पौधों को पाले से बचाने हेतु सूखी घास-फूस एकत्रित कर लें ताकि इन पौधों को पाले से बचाने हेतु कवर किया जा सके।

### पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	आगामी पांच दिनों शीतलहर चलने का पूर्वानुमान है। अतः सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें। पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सूखी घास, पुवाल जो जानवरों के खाने के उपयोग में नहीं आती को बिछावन के रूप में प्रयोग करें। खिड़की दरवाजों पर त्रिपाल लगा दें ताकि ठंडी हवा प्रवेश न करें। पशुओं को शीतला रोग (रिंडर पेस्ट) का टीका लगवाए। इस बदलते मौसम में नवजात पशुओं में निमोनिया की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें।
गाय	आगामी पांच दिनों शीतलहर चलने का पूर्वानुमान है। अतः सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें। पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सूखी घास, पुवाल जो जानवरों के खाने के उपयोग में नहीं आती को बिछावन के रूप में प्रयोग करें। खिड़की दरवाजों पर त्रिपाल लगा दें ताकि ठंडी हवा प्रवेश न करें। पशुओं को शीतला रोग (रिंडर पेस्ट) का टीका लगवाए। इस बदलते मौसम में नवजात पशुओं में निमोनिया की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें।